an>

Title: Need to address the traffic congestion at Meethapur region of South Delhi Parliamentary Constituency.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान दिल्ली में बढ़ते पॉल्यूशन और ऑड-ईवन के ऊपर मुख्यमंत्री जी की नौटंकी का चरित्र आपके सामने रखना चाहता हूं। मैं यहां तीन बार बोल चुका हूं। मैट्रो का तीसरा फेज दिसम्बर 2015 में शुरू होना था मगर दल्ली सरकार उस फाइल को दबाए बैठी है इसे बदरपुर से लेकर एरोसिटी महिपालपुर तक करना है इसके अंतर्गत सात असेम्बली कन्सटिट्यूएंसी आती हैं जिसकी आबादी लगभग 30 लाख है। वहां सड़कों पर 3-3 घंटे जाम रहता है। माननीय मंत्री जी दिल्ली सरकार को छह बार चिट्ठी लिख चुके हैं। चूंकि यह एरिया एनसीआर है तो लोग एमपी को बड़े कहते हैं। दिल्ली में पॉल्यूशन ट्रैफिक जाम के कारण बढ़ता है। उस मैट्रो फेज के ऊपर सरकार इनिशिएटिव लें। मैंने आदर्श ग्राम गोद लिया, उसकी जमीन को लैंड यूज करनी थी उस फाइल को सरकार दबा कर बैठ गई। यह सरकार दिल्ली में अनार्की कर रही है। अगर उसके ऊपर केन्द्र सरकार इनिशिएटिव ले। मैट्रो को जयपुर तक तीन किलोमीटर तक बढ़ाना है, वहां पांच लाख की आबादी है। सरकार चीफ सेकेट्री के लेबल पर बात करे। अगर मुख्यमंत्री नौटंकी करते हैं और केन्द्र को रोकती है तो इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए। हम लोगों के काम करने के लिए यहां बैठे हैं। दिल्ली में पर्यावरण के नाम पर नौटंकी हो रही है। परिवहन व्यवस्था बढ़ नहीं रही है। मैट्रो लालकुंआ से लेकर पह्लादपुर, खानपुर, देवली, आईएन नगर, छतरपुर, अम्बेडकर नगर, ये जो कॉलोनियां हैं वहां तीन घटें तक जाम लगता है उसके कारण से तीस लाख लोग परेशान होते हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि इनिशिएटिव ले, लोग पॉल्यूशन से भी बचेंगे और लोगों को आने-जाने में भी सुविधा होगी। यह हमारा राइट अधिकार है। फ्रोर्थ फेज दिसम्बर 2015 में चालू होना था और 2016 के भी पांच महीने निकल गए। मुख्यमंत्री के खिलाफ कुछ इनिशिएटिव ले यही मेरा आपके सम्मुख अनुरोध है।

माननीय अध्यक्ष :

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री रोड़मल नागर,

श्री अजय मिश्र टेनी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

डॉ. किरिट पी. सोलंकी,

श्रीमती मीनाक्षी लेखी,

डॉ. मनोज राजोरिया,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, और

डॉ. वीरेन्द्र कुमार को श्री रमेश बिधूड़ी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।